सिन्धुघाटी के निवासियों के सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक जीवन की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए?

सिन्धुघाटी की सभ्यता संसार की प्राचीनतम सभ्यता है इसका विकास एक विशेष भौगोलिक परिवेश में हुआ। इसके विकास के लिए भौगोलिक स्थिति अनुकूल भी इसके चारों ओर प्राकृतिक सीमाओं पहाड़ तथा समुद्र के बीच स्थित था प्राय आक्रमण का कोई खतरा नहीं था इस सभ्यता काल भारतीय सभ्यता का उषा: काल माना जाता है इस सभ्यता के यहाँ के निवासियों ने उन्नत किया तथा जीवन के प्रत्येक पहलू पर ध्यान दिया इस बात की जानकारी उत्खनन के द्वारा प्राप्त हुई है

सामाजिक अवस्था — सिंधुघाटी के निवासियों के राजनीति संगठन तथा सामाजिक अवस्था का कोई विश्वस्त प्रमाण नहीं मिला है

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

माप तौल के साधन → खुदाई में जो अवशेष मिले हैं जिससे पता चलता है कि माप तौल के साधन में बाट का प्रयोग करते थे यह दो प्रकार के बहुत बड़ा जिसमें रस्सी लगा होता था तथा कुछ छोटे होते थे जिसको जौहरी लोग प्रयोग करते थे। माप तौल में सोलह इकाई था तथा तराजू रस्सी था।

व्यापार → उस समय सिंधुघाटी का व्यापार उन्नत था जल और स्थल दोनों मार्गों से व्यापार होता था कुछ वस्तुएं बाहर से मंगायी जाती थी जैसे कश्मीर से लकड़ी और वनस्पतियां, राजपूताना से तांबा, मैसूर से फारस से टीन और सीसा, पत्थर, दक्षिण भारत से सोना। मेसोपोटामिया के गुड़िया खिलौने, मुद्रा मिट्टी के पात्र और मोहरें मिली हैं। यहाँ से प्रमुख खिलौने, मुद्रा मिट्टी के पात्र और मोहरें मिली हैं। यहाँ से प्रमुख खिलौने तथा मिस्र में सूती कपड़े और मिट्टी के बर्तन जैसे खिलौने तथा मिस्र में सूती कपड़े और मिट्टी के बर्तन भेजे जाते थे।

सामाजिक व्यवस्था → सिंधुघाटी के निवासियों का सामाजिक जीवन उन्नत किन्तु सादा था समाज में समानता थी उनका मुख्य भोजन अन्न, फल, दूध मांस अंडा आदि था।

पुरुष और महिला दोनों आभूषण के प्रेमी थे पुरुष और स्त्रियाँ आभूषण पहनते थे. सोना, चाँदी, सीप, का प्रयोग करते थे स्त्रियाँ अंगूठी, हार और बाजूबंद करधनी, कड़े, कान की बालियां. वस्त्र रेशमी और सूती जो खुदाई में मिले हैं उनको श्रृंगार करना भी आता था

मनोविनोद के कई साधन थे, नाच-गाना के अतिरिक्त आमोद प्रमोद के लिए रथ-दौड़ जुआ खेलना।

सिंधुघाटी के लोग शवक्रिया तीन तरह से करते थे (1) गाड़ कर रखकर जमीन में गाड़ दिया जाता था (2) जलाया जाता था तथा राख को जमीन में रखकर गाड़ दिया जाता था (3) शव को पशुओं को खाने के लिए फेंक दिया जाता था।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

कला – कौशल — सिन्धु घाटी कला की कैसी थी उनके भवन सुन्दर और सुडौल थे आकर्षक करने वाली कला-वस्तु मुहरें थी जो खुदाई में मिला है जिनमें अधिकतर पर पशुओं चित्र तथा इसके ऊपर पार्श्व में लिखा हुआ है जो अभी तक पढ़ा नहीं गया है, बर्तनों आभूषणों और खिलौना सुन्दर बनाते थे तथा कई रंगों का प्रयोग करते थे।
इनके साथ लेखन कला भी जानते थे।

नगर और भवन की निर्माण कला → हड़प्पा और मोहनजोदड़ो दोनों स्वतंत्र गणराज्य था जहाँ नागरिक सभ्यता थी इन नगरों को देखने से पता चलता है कि उनका निर्माण एक निश्चित योजना के अनुसार किया गया है नगर के बड़ी बड़ी सड़कें जो चौड़ी होती थी

नालियों का प्रबन्ध — शहरों में मैले जल को बाहर

निकालने के लिए यथोचित व्यवस्था थी, स्नान के स्नानघरों, पाकशाला तथा शौचालयों का जल आदि नाले से बाहर निकाला जाता था सारी नालियाँ पक्की ईंट ईंट का बनाया तथा ढका हुआ रहता था

भवन निर्माण → सिन्धु घाटी को भवन निर्माण कला का पूर्ण ज्ञान था। उनके निवास स्थान बहुत अच्छे थे। मकान प्रायः दो-तीन मंजिला होते थे छत पर जाने के लिए सीढ़ियों की व्यवस्था थी। मकान पक्के ईंट से बनता था इस तरह स्पष्ट हो जाता है कि भवनों के निर्माण में आराम, वायु प्रकाश स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया था

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

परन्तु इतना स्पष्ट है कि सिंध, पंजाब, पूर्वी बलूचिस्तान तथा काठियावाड़ तक विस्तृत एक संगठन, एक व्यवस्था तथा एक शासन थी। इसका प्रमाण यह है कि सम्पूर्ण क्षेत्र में एक माप तथा तौल प्रचलित थी एक ही प्रकार के भवन निर्माण, मूर्तियों तथा लिपि का प्रचार था। बहुत से विद्वानों का मत है कि सिन्धु सभ्यता का क्षेत्र एक विशाल साम्राज्य में संगठित था।

<u>आर्थिक अवस्था</u> → कृषि और पशुपालन

हड़प्पा और मोहनजोदड़ो जैसे विशाल समृद्ध नगरों के अतिरिक्त, सैंधव निवासियों की आर्थिक दशा का पता चलता है। इनके आर्थिक जीवन के कई पहलू हैं कृषि उन्नत दशा में थी वर्षा खूब होती थी किसान अनाज काफी उपजाता था जौ और गेहूँ मुख्य फसल था अनाज गोदामों में रखे जाते थे व्यापार भी किया करते थे पशुपालन का भी काम करते थे मुहरों पर अंकित गाय, बैल, भैंस आदि के चित्रों से प्रमाणित होता है। सिंधु वासी के प्रधान पशु, गाय, बैल, भैंस, बकरी, हाथी, सुअर, कुत्ते आदि थे, मुर्गी भी पाली जाती थी गैंडा, चीता, बाघ, भालू बन्दर आदि की हड्डियाँ खुदाई में मिली है। घोड़ा के सम्बन्ध में कोई प्रमाण नहीं मिला है।

<u>शिल्पकला</u> → सिन्धु निवासी कृषि तथा पशुपालन के अतिरिक्त औद्योगिक व्यवसाय में था वे लोग कुशल शिल्पी भी थे मिट्टी के बर्तन तरह-तरह के औजार खिलौना, सूती कपड़ा, ऊनी वस्त्र ऊन आदि पर विभिन्न प्रकार के फूल आकृतियाँ में निपुण थे।

<u>धातु</u> → सैंधव वासी तरह तरह के धातुओं का प्रयोग करते थे उस काल की धातु - सोना, चाँदी काँसा, सीसा और ताँबा उनके अतिरिक्त सीप, हड्डी तथा हाथी के दाँत का काम होता था पत्थर और धातु के दाने बनते थे कपड़े सीने के लिए सुइयाँ तथा मछली पकड़ने के लिए काँटे भी बनते थे तथा कैंची भी बनती थे।

INSURANCE CALENDAR
Paid on
Premium Due
Premium Amount
Mode
Plan-Term
Sum Assured
Date of Commencement
Branch Code
Policy Number
Name
No.

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA